अराजकता | केवल एक डॉक्टर के भरोसे चल रहा अस्पताल, दोपहर बाद नदारद रहते हैं चिकित्सक

वायरल फीवर का प्रकोप : मझौली में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं चरमराई

मझौली, नवभारत संवाददाता। क्षेत्र में भीषण गर्मी, उमस और बदलते मौसम के कारण वायरल फीवर का प्रकोप विकराल रूप ले चुका है। गांव-गांव में बच्चे, बुजुर्ग और युवा तेज बुखार, उल्टी-दस्त और शरीर में असहनीय दर्द की चपेट में हैं। ऐसे संकट के समय में जहां सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को ढाल बनना चाहिए था, वहीं क्षेत्र की जीवनदायिनी कहे जाने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली की हालत अत्यंत दयनीय और चिंताजनक हो चुकी है।

दूर-दराज के ग्रामीण अंचलों से इलाज की आस लेकर पहुंच रहे मरीजों को राहत मिलने के बजाए केवल मायूसी, कतारों का झंझट और लंबा इंतजार मिल रहा है। स्थिति यह है कि दोपहर ढलते ही अस्पताल परिसर से डॉक्टर पूरी तरह गायब हो जाते हैं, जिससे गंभीर रूप से बीमार मरीज तड़पने को मजबूर हैं।बताया जाता है कि किराया-भाड़ा लगाकर पहुँचे गरीब ग्रामीण घंटों बेंच, फर्श और अस्पताल की गैलरी में तड़पते रहते हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई जिम्मेदार नजर नहीं आता।

स्थानीय ग्रामीणों का फूटा आक्रोश

एक तरफ वायरल फीवर से पूरा इलाका कराह रहा है, वहीं दूसरी तरफ अस्पताल में डॉक्टर अपनी ड्यूटी से गायब रहते हैं। दोपहर या शाम के समय यदि कोई गंभीर स्थिति बन जाए, तो यहाँ कोई देखने वाला नहीं है। यह सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो रहा है। अस्पताल में फैली इस अव्यवस्था और डॉक्टरों की अनुपस्थिति को लेकर जब खण्ड चिकित्सा अधिकारी प्रभारी से सीधा सवाल किया गया, तो स्वास्थ्य विभाग का एक खौफनाक सच उजागर हुआ। प्रभारी मुकेश सोनी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली में डॉक्टरों की भारी कमी बनी हुई है। आलम यह है कि वर्तमान में पूरा अस्पताल सिर्फ एक ही डॉक्टर के भरोसे संचालित हो रहा है। 24 घंटे की लगातार ड्यूटी और सैकड़ों की ओपीडी अकेले संभालना व्यावहारिक रूप से बेहद कठिन है। हमने वरिष्ठ अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग को पत्राचार कर तत्काल अतिरिक्त डॉक्टरों की पदस्थापना की माँग की है।

आपातकालीन सेवाएं भी राम भरोसे

अस्पताल की इस घोर अव्यवस्था से सीधे तौर पर आम जनता की जान जोखिम में डाली जा रही है। आपातकालीन स्थिति में पहुँचने वाले मरीजों का इलाज करने के लिए डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहते। ऐसे मामलों में मरीजों को ड्रेसर या नर्सों के भरोसे छोड़ दिया जाता है, या फिर प्राथमिक उपचार दिए बिना सीधे जबलपुर के लिए रेफर कर दिया जाता है।

कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग

एक विशाल आबादी वाले ब्लॉक के एकमात्र बड़े अस्पताल को महज़ एक डॉक्टर के भरोसे छोड़ देना जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर खड़े कई गंभीर सवाल उठाता है। क्षेत्रीय नागरिकों और समाज शास्त्रियों ने जिला कलेक्टर जबलपुर तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से माँग की है कि मझौली में तत्काल प्रभाव से पर्याप्त डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की पदस्थापना की जाए। ड्यूटी के समय में अनुपस्थित रहने वाले और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। तथा शाम एवं रात्रि कालीन आपातकालीन सेवाओं को दुरुस्त कर 24 घंटे डॉक्टरों की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए।

दोपहर बाद खाली मिल रही सीटें

मौसम के तीखे तेवरों के चलते सीएचसी मझौली में मरीजों की संख्या में अप्रत्याशित उछाल आया है जहां सामान्य दिनों की तुलना में ओपीडी का आंकड़ा दोगुना हो चुका है। रोजाना सैकड़ों लोग प्राथमिक उपचार और दवाइयों के लिए अस्पताल पहुँच रहे हैं, पीड़ितों का कहना है कि सुबह के वक्त जैसे-तैसे भीड़ से निपटने के बाद, दोपहर होते ही ओपीडी और ड्यूटी रूम खाली हो जाते हैं।

कटंगी बायपास पर लगा जाम

रेंगते दिखे वाहन

नवभारत, बेलखाडू, जबलपुर। जबलपुर कटंगी रोड पर यातायात सुगम करने के लिए बायपास का निर्माण किया गया था लेकिन यहां आए दिन लगने वाले जाम से लोग परेशान हैं, यहां यातायात सुगम होने की जगह लोगों के लिए परेशानी का शबब बन रहा है। आज एक ओर दोपहर से लगातार बारिश का क्रम टूट नहीं रहा था वहीं शाम 4 बजे से कटंगी बायपास पर चारों ओर के रास्तों पर यातायात बाधित होकर भीषण जाम में परिवर्तित हो गया।

लगभग दो किलोमीटर दूर तक सड़क मार्ग के चारों ओर जाम लग गया जिसमें बड़े वाहनों के बीच दुपहिया वाहन चालकों बरसते पानी के बीच हालत खराब हो गई, लोगों ने बताया कि लगभग एक घंटे बाद दो तीन पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे जरूर लेकिन जाम में फंसे वाहनों को निकलवाने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। स्कूल से छूटे विद्यार्थी, नौकरी पेशा लोग, माल वाहक सहित सवारी वाहन अपने अपने गंतव्य तक समय पर पहुंचने के लिए भीषण जाम से जूझते रहे।

एक नजर में

आज मनाया जाएगा अवधूत महाराज का अवतरण उत्सव

सिहोरा। आस्था के केंद्र श्री शैलेश्वर धाम, सैलवारा में परम पूज्य प्रातः स्मरणीय अनंत श्री विभूषित श्री श्री 1008 श्री स्वामी प्रकाशवन अवधूत जी महाराज का अवतरण उत्सव (जन्मोत्सव) 21 जुलाई 2026 आषाढ़ शुक्ल सप्तमी को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर आश्रम परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, गुरु वंदना, भजन-कीर्तन, सत्संग एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति ने सभी भक्तों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

राम निरंजन दुबे बने ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष

सिहोरा। गत दिवस ब्राह्मण समाज की बैठक नगर के रामसागर जलाशय के तट पर स्थित राधा कृष्ण कुटी मंदिर में संपन्न हुई जिसमें नगर व आसपास के गांव के विप्र बंधु शामिल हुए सभी पदाधिकारियो व सदस्यों की सर्वसम्मति से शिवदत्त कॉलोनी गोसलपुर निवासी राम निरंजन दुबे सेवानिवृत शिक्षक को गोसलपुर सर्व ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। इस मौके पर निवर्तमान अध्यक्ष महेश प्रसाद तिवारी ने नवनियुक्त अध्यक्ष राम निरंजन दुबे को माला पहनाकर तिलक लगाकर शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

22 साल बाद भी सुविधाओं से वंचित मस्तराम बस स्टैंड

मुख्य सड़क पर बसों का जमावड़ा

बाजार में हर पल मंडरा रहा दुर्घटना का खतरा

मझौली, नवभारत, जबलपुर। जनता के टैक्स के पैसों और सरकारी खजाने से लाखों रुपए फूंकने के बाद भी प्रशासनिक लापरवाही किस कदर हावी रहती है, इसका जीता-जागता उदाहरण जबलपुर जिले की मझौली नगर परिषद में देखने को मिल रहा है। यहां वार्ड नंबर 12 में स्थित मस्तराम बस स्टैंड का निर्माण कार्य वर्ष 2004 में कराया गया था। लेकिन विडंबना देखिए कि निर्माण के दो दशक (22 वर्ष) बीत जाने के बाद भी यह नवीन बस स्टैंड पूरी तरह से जिम्मेदार अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी का शिकार होकर रह गया है। लाखों रुपए की लागत से खड़ा किया गया यह भवन आज सिर्फ एक ढांचा बनकर रह गया है, जिसका लाभ आज तक क्षेत्र की जनता को नहीं मिल सका।

बताया जाता है कि यहां न तो यात्रियों के लिए व्यवस्थित प्लेटफॉर्म का निर्माण किया गया, न पेवर ब्लॉक लगे और न ही कोई सुरक्षा बाउंड्रीवॉल बनाई गई है, पूरे परिसर के आसपास वर्तमान में अतिक्रमण की काली छाया मंडरा रही है, जिससे सरकारी संपत्ति धूल खा रही है। मझौली के स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन और नगर परिषद की इस घोर लापरवाही के चलते आज तक एक भी यात्री बस ने नियमानुसार स्टैंड के भीतर प्रवेश नहीं किया। नतीजा यह है कि सभी यात्री बसें मनमाने ढंग से मुख्य सड़क के किनारे ही खड़ी होती हैं। जिससे व्यस्त बाजार क्षेत्र होने के कारण मुख्य मार्ग पर हर समय भारी जाम की स्थिति निर्मित रहती है। इन सड़क पर खड़ी बसों के कारण पैदल चलने वाले राहगीरों, स्कूली बच्चों और अन्य वाहन चालकों के लिए हर पल गंभीर दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि इस गंभीर जन-समस्या से पूरी तरह आंखें मूंदे बैठे हैं। चुनाव के समय किए जाने वाले विकास के बड़े-बड़े दावे इस बस स्टैंड की बदहाली के आगे दम तोड़ रहे हैं।

विधायक नीरज सिंह ने किया स्थलों का निरीक्षण

शहपुरा को जल्द मिलेगा स्टेडियम और आधुनिक बस स्टॉप

शहपुरा, भिटोनी, नवभारत। तहसील शहपुरा में प्रस्तावित शहपुरा नगर के विकास को नई दिशा देने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विधायक नीरज सिंह ने शहपुरा नगर में जगह घूम-घूम कर एसडीओपी कार्यालय, स्टेडियम, महाविद्यालय एवं बस स्टैंड के निर्माण हेतु संभावित स्थलों का निरीक्षण करके प्रशासनिक अधिकारियों को विधायक ने दिशा निर्देश दिए।

बरगी विधानसभा विधायक नीरज सिंह ने कहा हमारा संकल्प है कि शहपुरा को शिक्षा, खेल, सुरक्षा और यातायात जैसी मूलभूत सुविधाओं से सशक्त बनाकर विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए एवं शहपुरा नगर का सर्वोत्तम विकास कर कमियों को दूर किया जाए, क्षेत्रवासियों को जल्द ही स्टेडियम, आधुनिक बस स्टॉप और अन्य बुनियादी सुविधाओं की सौगात मिल सकती है, उन्होंने कहा कि इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। बस स्टैंड की कमी को दूर करते हुए भिटोनी स्थित तैयब अली पेट्रोल पंप के पास बस स्टैंड का निर्माण किया जाएगा एवं शहपुरा बरगी कॉलोनी को हटाकर स्टेडियम बनाने की रूपरेखा तैयार की जाएगी इसके साथ ही शहपुरा वार्ड नंबर 15 बिलखरवा में सरकारी महाविद्यालय को प्रस्तावित किया गया है।

कटंगी के लिए भी इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने की उठी मांग

नवभारत,कटंगी जबलपुर। शहर में यातायात व्यवस्था को आधुनिक और सुगम बनाने के लिए प्रशासन द्वारा प्रमुख रूटों पर आधुनिक सुविधाओं से लैस नई इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी की जा रही है। इस योजना के तहत पाटन, बरेला, शाहपुरा और बरगी जैसे ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों को जोड़ा गया है, लेकिन महत्वपूर्ण मार्ग होने के बावजूद कटंगी क्षेत्र को इस सूची से बाहर रखा गया है।

इसे लेकर कटंगी की जनता में निराशा है और नागरिकों ने जबलपुर से कटंगी तक बस सेवा शुरू करने की पुरजोर मांग की है।

प्रशासन से की रूट बढ़ाने की अपील

क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने नगर निगम प्रशासन और जिला कलेक्टर से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस रूट का सर्वे कराया जाए। नागरिकों का कहना है कि कटंगी की बड़ी आबादी को इस आधुनिक और प्रदूषण मुक्त बस सेवा का लाभ मिलना ही चाहिए। यदि जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो नागरिक इस मांग को लेकर उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे।

यात्रियों और छात्रों को होगी बड़ी सहूलियत

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कटंगी से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में छात्र, कामकाजी लोग, व्यापारी और मरीज इलाज व शिक्षा के लिए जबलपुर आते-जाते हैं। वर्तमान में सीधा और सुगम सरकारी परिवहन साधन न होने से लोगों को निजी वाहनों या डग्गामार बसों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती है। यदि पाटन और शहपुरा की तर्ज पर कटंगी रूट को भी इस योजना में शामिल किया जाता है, तो क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहद मजबूत होगी।

कटंगी में बीड़ी छात्रवृत्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्रम कल्याण आयुक्त ने छात्र-छात्राओं को किया संबोधित

नवभारत, कटंगी जबलपुर। आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगी में आज श्रम कल्याण आयुक्त नवीन वैद्य की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक और छात्रवृत्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक बीड़ी छात्रवृत्ति का लाभ पहुंचाना था।

54 विद्यालयों के प्रभारियों की बैठक-कार्यक्रम के पहले चरण में श्रम कल्याण आयुक्त नवीन वैद्य की अध्यक्षता में क्षेत्र के सभी 54 विद्यालयों के प्रभारियों को संबोधित किया गया। इस दौरान मुख्य वक्ता शैलेंद्र जैन ने उपस्थित सभी प्रभारियों को बीड़ी छात्रवृत्ति योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्रवृत्ति से जुड़े सभी तकनीकी और व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर दिए, ताकि विद्यालय स्तर पर फॉर्म भरने में कोई त्रुटि न हो और पात्र छात्र-छात्राओं को समय पर इसका लाभ मिल सके। कन्या शाला में कार्यक्रम संपन्न करने के बाद श्रम कल्याण आयुक्त नवीन वैद्य ने शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगी का रुख किया। वहां उन्होंने सीधे छात्र-छात्राओं से संवाद किया। आयुक्त ने बच्चों को बीड़ी छात्रवृत्ति योजना की संपूर्ण प्रक्रिया समझाई और इसके फायदों के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों के मन में उठने वाली शंकाओं और छात्रवृत्ति से संबंधित सवालों के सीधे जवाब देकर उनका मार्गदर्शन किया।

इनका रहा विशेष सहयोग-इस पूरे गरिमामयी और जनहितैषी कार्यक्रम का सफल संचालन और आयोजन डॉ. विश्वा चौरसिया तथा फार्मेसी अधिकारी शिशिर पोरवाल के सौजन्य से सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम के अंत में अधिक से अधिक बच्चों को इस कल्याणकारी योजना से जोड़ने का संकल्प लिया गया।

आमजन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : नीरज सिंह

क्षतिग्रस्त रेलवे ओवर ब्रिज का विधायक ने किया निरीक्षण

समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

शहपुरा, भिटोनी, नवभारत। शहपुरा में क्षतिग्रस्त रेलवे ओवरब्रिज स्थल अमन ढाबा के पास के ऐक्सिडेंटल स्पॉट का निरीक्षण कर अधिकारियों के साथ बरगी विधानसभा विधायक नीरज सिंह ने निरीक्षण उपरांत स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा आमजन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य शीघ्र प्रारंभ करने तथा गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर निरंतर निगरानी रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इस मौके पर उन्होंने एमपीआरडीसी अधिकारियों से ब्रिज निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और निर्माण कार्य की गुणवत्ता व सुरक्षा मानकों की समीक्षा की।

विधायक नीरज सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए की ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा किया जाए और गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं हो। उन्होंने कहा की शीघ्रता से ब्रिज बनने से रेल फाटक पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। इस अवसर पर एमपीआरडीसी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी,अभियंता तथा शहपुरा मंडल अध्यक्ष सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मौके पर उपस्थित अधिकारियों से परियोजना के विभिन्न पहलुओं की जानकारी आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

अटल बिहारी वाजपेयी कृषि महाविद्यालय को मिली 131 करोड़ की सौगात

पूर्व मंत्री एवं विधायक भूपेंद्र सिंह ने किया नवीन परिसर का भूमिपूजन

नवभारत, जबलपुर। महाविद्यालय की स्थापना को क्षेत्र में कृषि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं कृषक कल्याण को नई दिशा प्रदान करने वाला एक ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण कदम है, ये बातें खुरई के पूर्व मंत्री एवं विधायक भूपेंद्र सिंह ने कहीं। मौका था अटल बिहारी वाजपेयी कृषि महाविद्यालय, खुरई के नवीन परिसर के भूमिपूजन कार्यक्रम का। इस दौरान सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं कृषि विस्तार गतिविधियों के माध्यम से किसानों तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जनेकृविवि के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत धार्मिक अनुष्ठान के साथ भूमिपूजन द्वारा किया गया। महाविद्यालय का शिलान्यास 131 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है।

लिखित आश्वासन तक विरोध जारी रहेगा

मामला पनागर के स्कूल के स्थानांतरण का

पनागर, नवभारत। नगर के 216 वर्ष पुराने वरिष्ठ बुनियादी शासकीय हाई स्कूल को सिंगोद में स्थानांतरण करने का स्कूल में अध्यनरत छात्र छात्राएं अभिभावको द्वारा विगत अनेक दिनों से विरोध किया जा रहा था इसी को लेकर सोमवार को स्थानीय जनों द्वारा शिक्षकों से चर्चा की तत्पश्चात यह ज्ञात हुआ कि किसी भी प्रकार का लिखित आदेश शाला को प्राप्त नहीं हुआ है जिस पर सभी ने एकमतेन निर्णय लिया कि अगर 3 दिन के अंदर लिखित में शासन प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के आर्डर नहीं आते हैं तो सभी पीड़ित जन बच्चों के साथ जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे और अपनी बात रखेंगे। आज शाला बचाओ समिति के अधिवक्ता एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष महेंद्र चक्रवर्ती ने बताया कि इस भवन को कमजोर बताकर गिराने का प्रयास किया जा रहे है, वहीं संजय श्रीवास्तव का कहना था कि बच्चों एवं अभिभावकों के साथ हो रहे अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आज साला बचाओ समिति एवं अभिभावकों की ओर से महेंद्र चक्रवर्ती उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद पनागर, संजय श्रीवास्तव, विमल जैन राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि, आकाश और पुरोहित प्रजापति, अर्जुन कुशवाहा, पंचम सिंह ठाकुर, जय सिंह ठाकुर, लखन प्रजापति, शंभू नामदेव, सोनी लाल प्रजापति सहित महिलाएं अभिभावक संघ में नीलम श्रीवास्तव, राजकुमारी संगीता, अनार बाई, भावना केवट, विनीत केवट, शीला बर्मन, सुनीता कुशवाहा, गुलाब रानी पटेल, शशि विश्वकर्मा, रश्मि वर्मा अंजना बर्मन, रोशनी चौधरी, नेहा सेन, रजनी सेन, पूजा पटेल, धर्मेंद्र लोधी, गणपत बर्मन, कमल सेन, वर्षा प्रजापति, पूजा पटेल, इंदल प्रजापति, धनंजय सहित सैंकड़ो की संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

एमपी टूरिज्म | सोशल मीडिया पर भी खूब हो रहा वीडियो वायरल

मध्य प्रदेश पर्यटन के आधिकारिक पेज पर छाया कटंगी का निदान वॉटरफॉल

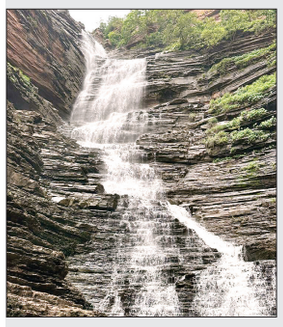

नवभारत, कटंगी जबलपुर। मानसून की शुरुआत के साथ ही मध्य प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता अपने चरम पर है। इसी बीच, सूबे के कटंगी क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध निदान वॉटरफॉल इन दिनों देश-दुनिया के पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है।

इस जलप्रपात की खूबसूरती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि खुद मध्य प्रदेश पर्यटन ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इसका एक बेहद खूबसूरत वीडियो साझा किया है। एमपी टूरिज्म के पेज पर जगह मिलने के बाद से यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

सौ फीट की ऊंचाई से गिरती जलधारा मोह रही मन

काली और भूरी चट्टानों की सीढ़ियों जैसी प्राकृतिक संरचनाओं से होकर करीब 100 फीट से अधिक की ऊंचाई से गिरता निधान वॉटरफॉल का मटमैला और सफेद पानी एक अद्भुत नजारा पेश करता है। स्थानीय निवासियों में इस बात को लेकर भारी उत्साह है कि उनके क्षेत्र के इस प्रमुख पर्यटन स्थल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। पर्यटकों का कहना है कि मानसून के दौरान इस जगह की हरियाली और झरने का शोर मानसिक शांति देता है।

पर्यटकों के लिए जरूरी गाइडलाइन और सुरक्षा

स्थानीय प्रशासन और वन विभाग ने झरने की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए पर्यटकों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक शाम को अंधेरा होने से पहले, झरने के मुख्य क्षेत्र में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। वहीं पर्यटकों को केवल अच्छी ग्रिप वाले स्पोर्ट्स या ट्रैकिंग शूज पहनने की सलाह दी जा रही है। इसके साथ ही झरने के तेज बहाव वाले मुख्य कुंड के बेहद नजदीक जाने पर रोक लगाई गई है। एक तरफ जहां मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग अपने आधिकारिक पेज पर वीडियो शेयर कर कटंगी के प्रसिद्ध निदान वॉटरफॉल की ब्रांडिंग कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। देश-दुनिया से इस अद्भुत झरने को देखने आ रहे पर्यटकों को भारी निराशा और दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। झरने तक पहुंचने का अत्यंत दुर्गम और पथरीला मार्ग, जो पिछले लंबे समय से दो विभागों की आपसी खींचतान की वजह से बदहाली के आंसू रो रहा है।

विभागों की 'नूराकुश्ती' में पिस रहे पर्यटक

यह पूरा क्षेत्र वन विभाग के दायरे में आता है। नियमानुसार वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार के निर्माण के लिए वन विभाग की अनुमति अनिवार्य होती है। लेकिन जब पहुंच मार्ग के निर्माण की बात आती है, तो जिम्मेदार अपनी पीठ फेर लेते हैं, वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस पहुंच मार्ग का निर्माण और चौड़ीकरण नगर पंचायत को अपने बजट से कराना चाहिए। वहीं दूसरी तरफ, नगर पंचायत का साफ कहना है कि चूंकि यह पूरी भूमि वन विभाग के अंतर्गत आती है, इसलिए सड़क निर्माण की जिम्मेदारी और पहल वन विभाग को ही करनी चाहिए। इस 'तू-तू मैं-मैं' और फुटबॉल जैसी स्थिति के बीच पहुंच मार्ग का विकास पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है। अब देखना यह होगा कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने और पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ने के बाद क्या जिला प्रशासन और ऊंचे पदों पर बैठे अधिकारी इस मामले में हस्तक्षेप करते हैं, या फिर यह प्रसिद्ध निदान वॉटरफॉल यूं ही प्रशासनिक फाइलों और दो विभागों के अहम के बीच फंसा रहेगा।